



भारत का राजपत्र The Gazette of India

बसाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 306]
No. 306]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जून 22, 1978/आषाढ़ 1, 1900
NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 22, 1978/ASADHA 1, 1900

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि वह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 जून, 1978

का० भा० 402 (ख)—केन्द्रीय सरकार, विदेशी अभिदाय (विनियमन) अधिनियम, 1976 (1976 का 49) की धारा 8 के खण्ड (घ) के अनुसरण में धारा 4 में विनिर्दिष्ट किसी व्यक्ति को भारतीय शिष्टमण्डल के सदस्य के रूप में दान या उपहार स्वरूप दिए गए विदेशी अभिदाय को स्वीकार करने या प्रतिधारित करने के संबंध में निम्नलिखित विनियम बनाती है, अर्थात् —

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ —(1) इन विनियमों का संक्षिप्त नाम विदेशी अभिदाय (दानों या उपहारों का स्वीकृति या प्रतिधारण) विनियम, 1978 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएँ — इन विनियमों में जब तक सर्वभेद से अन्यथा अपेक्षित न हो, —

(क) “अधिनियम” से विदेशी अभिदाय (विनियमन) अधिनियम, 1976 (1976 का 49) अभिप्रेत है,

(ख) इन विनियमों में प्रयुक्त और अपरिभाषित ऐसे शब्दों और पदों का जो अधिनियम में परिभाषित किए गए हैं, वही अर्थ होगा जो क्रमशः उन्हें अधिनियम में दिया गया है।

3. दान या उपहार स्वरूप विदेशी अभिदाय का स्वीकृति या प्रतिधारण का विनियमन —(1) अधिनियम की धारा 4 में विनिर्दिष्ट कोई व्यक्ति जो किसी भारतीय शिष्टमण्डल का सदस्य है, ऐसे सदस्य के

रूप में उसे (जिसे इसमें इसके पश्चात् ऐसा व्यक्ति कहा गया है) दान या उपहार स्वरूप किए गए किसी विदेशी अभिदाय को इस विनियम के उपबंधों के अधीन रहते हुए स्वीकार कर सकता है।

(2) जहाँ ऐसा व्यक्ति दान या उपहार स्वरूप कोई विदेशी अभिदाय प्राप्त करता है वहाँ वह उसकी प्राप्ति से तीस दिनों के भीतर भारत सरकार के गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और उस मंत्रालय या विभाग के सचिव को, जिसने उस शिष्टमण्डल का जिसका वह सदस्य है आयोजन किया है लिखित रूप में निम्नलिखित सूचना देगा

(क) ऐसा दान या उपहार प्राप्त करने के मध्य,

(ख) विदेशी श्रोत, जिससे वह प्राप्त हुआ,

(ग) भारत में उसका अनुमानित बाजार-मूल्य,

(घ) वह स्थान जहाँ और वह तारीख जिसको वह प्राप्त हुआ; और

(ङ) उस संबंध ऐसे अन्य विवरण जो वह उन परिस्थितियों में उपयुक्त समझे बताये जाएं।

परन्तु ऐसी दशा में, जहाँ ऐसा व्यक्ति ऐसा दान या उपहार उस समय प्राप्त करता है जब वह विदेश में या भारत से बाहर के राज्य क्षेत्र में हो, वहाँ ऐसी सूचना उसके भारत वापस आने का तारीख से तीन दिन के भीतर दी जाएगी।

(3) ऐसे व्यक्ति द्वारा किसी विदेशी श्रोत से प्राप्त प्रत्येक दान या उपहार, उपविनियम (2) के अधीन उसके द्वारा ऐसी प्राप्ति की सूचना देने की तारीख से तीस दिन के भीतर, भारत सरकार के गृह मंत्रालय या विभाग के सचिव के पास जमा कर दिया जाएगा, जिसने उसे शिष्टमण्डल का जिसका वह सदस्य था आयोजन किया था

(4) उप-विनियम (3) में निविष्ट भारत सरकार का सचिव ऐसे प्रत्येक दान या उपहार को, जो उसके पास जमा किया गया है, भारत में उसके बाजार मूल्य के निर्धारण हेतु विदेश मंत्रालय के तोशखाना को भेज देगा।

(5) ऐसा निर्धारण, ऐसे दान या उपहार के तोशखाना में प्राप्त होने की तारीख से तीस दिन के भीतर, तोशखाना में वस्तुओं के मूल्यांकन के लिए लागू तत्समय प्रवृत्त नियमों के अनुसरण में किया जाएगा और ऐसे व्यक्ति को ऐसे निर्धारण की सूचना लिखित रूप में तुरंत दी जाएगी।

(6) उप-विनियम (5) के अधीन इस प्रकार किया गया निर्धारण अंतिम होगा और ऐसे व्यक्ति द्वारा उस पर आपत्ति नहीं की जाएगी।

(7) ऐसा प्रत्येक दान या उपहार, जिसका उप-विनियम (5) के अधीन निर्धारित भारत में बाजार मूल्य एक हजार रूपए से अधिक नहीं है, ऐसे व्यक्ति के पास प्रतिधारण हेतु वापस कर दिया जाएगा :

परन्तु जहाँ ऐसे व्यक्ति को जब वह एक ही निष्पक्षता में ही एक से अधिक दान या उपहार प्राप्त होते हैं वहाँ ऐसा व्यक्ति उनमें से केवल एक ही दान या उपहार प्रतिधारित करने का हक्कदार होगा।

(8) ऐसा प्रत्येक दान या उपहार जिसका उप-विनियम (5) के अधीन यथानिर्धारित भारत में बाजार मूल्य एक हजार रूपए से अधिक है, तोशखाना में प्रतिधारित कर लिया जाएगा।

परन्तु ऐसे व्यक्ति को उप-विनियम (5) के अधीन उसे सूचना प्राप्त होने की तारीख से तीस दिन के भीतर इस विकल्प का प्रयोग करने का अधिकार होगा कि वह ऐसे दान या उपहार का उप-विनियम (5) के अधीन यथा निर्धारित भारत में बाजार मूल्य और एक हजार रूपए के अंतर का संदाय करके उसे खरीद ले :

परन्तु यह और कि इस उप-विनियम के अधीन किया गया विकल्प का प्रयोग अंतिम होगा।

[सं० II/21022/5(6)/77-एफ सी आर ए-1]

जे० सी० पाण्डेय, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd June, 1978

S.O. 402 (E).—In pursuance of clause (d) of section 8 of the Foreign Contribution (Regulation) Act, 1976 (49 of 1976), the Central Government hereby makes the following regulations with regard to the acceptance or retention of foreign contribution by way of a gift or presentation made to any person specified in section 4 as a member of any Indian delegation, namely :—

1. Short title and commencement :—(1) These regulations may be called the Foreign Contribution (Acceptance or Retention of Gifts or Presentations) Regulations, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. Definitions.—In these regulations, unless the context otherwise requires,—

(a) "Act" means the Foreign Contribution (Regulation) Act, 1976 (49 of 1976) ;

(b) words and expressions used in these regulations and not defined but defined in the Act shall have the meanings respectively assigned to them in the Act.

3. Regulation of acceptance or retention of foreign contribution by way of gift or presentation,—(1) Any person specified in section 4 of the Act who is a member of any Indian delegation may accept any foreign contribution by way of a gift or presentation made to him as a member of such delegation (hereinafter referred to as such person), subject to the provisions of this regulation.

(2) where such person receives any foreign contribution by way of gift or presentation, he shall, within thirty days of the receipt thereof, intimate to the Secretary to the Govt. of India in the Ministry of Home Affairs, Ministry of External Affairs and the Ministry or the Department of the Government of India sponsoring the delegation of which he is a member, in writing,—

- the fact of his having received such gift or presentation,
- the foreign source from which it is received,
- its approximate market value in India,
- the place in which, and the date on which, it is received ; and
- such other details relating thereto as he may, in the circumstances, consider appropriate :

Provided that in a case where such person received such gift or presentation while he is visiting any foreign country or territory outside India, such intimation may be made by him within thirty days from the date of his return to India.

(3) Every gift or presentation received by such person from any foreign source shall be deposited by him with the Secretary to the Government of India in the Ministry or the Department which had sponsored the delegation of which he was the member, within thirty days from the date of intimation by him of such receipt under sub-regulation (2).

(4) The Secretary to the Government of India, referred to in sub-regulation (3), shall forward every such gift or presentation deposited with him to the *Toshakhana* in the Ministry of External Affairs for assessment of its market value in India.

(5) Such assessment shall be made within thirty days from the date of receipt of the gift or presentation in the *Toshakhana*, in accordance with the rules applicable, for the time being in force, to the valuation of articles in the *Toshakhana*, and such person shall be intimated in writing of such assessment forthwith.

(6) The assessment so made under sub-regulation (5) shall be final and shall not be called in question by such person.

(7) Every such gift or presentation, the market value in India of which, as assessed under sub-regulation (5), does not exceed one thousand rupees, shall be returned to such person for retention by him :

Provided that where more than one such gift or presentation is received by such person while he is in one delegation, such person be entitled to retain only one such gift or presentation.

(8) Every such gift or presentation, the market value in India of which, as assessed under sub-regulation (5), exceeds one thousand rupees shall be retained in the *Toshakhana* :

Provided such person shall have the option, that exercised by him within thirty days from the date of receipt by him of the intimation under sub-regulation (5), to purchase such gift or presentation on payment of the difference between the market value in India of such gift or presentation, as assessed under sub-regulation (5) and one thousand rupees :

Provided further that the option once exercised under this sub-regulation shall be final.

[No. II/21022/5(6)/77-FCRA-I]

J. C. PANDEY, Jt. Secy.